● The elite b-school conducts prog for journalists

A class of journalism held at IIM Indore

Cutting loose from their regular working schedules, journalists of Indore on Friday took lessons on journalism from some top management gurus of the country at Indian Institute of Management Indore. It was a rare confluence of journalism and management at this elite b-school.

● OUR STAFF REPORTER
Indore

Indian Institute of Management Indore organised a one-day general management programme (GMP) for journalists on Friday. The programme was attended by the representatives of various media firms of Indore.

The programme commenced with its first lecture, delivered by Prof Rishikesha T Krishnan, Director, IIM Indore. Professor Krishnan welcomed the participants to the Institute and introduced them to the Programme that was especially designed keeping in view their interests.

In his insightful lecture on "Business, Government, Society and the Media", Krishnan noted the biggest challenges that India is facing in terms of education, health care, environment and non-renewable energy resources. He also discussed the ways in which media can play an important role in bringing about the desired changes. With the help of different theories and examples, he explained the possible impact of media in creating awareness in such issues.

Krishnan's lecture was followed by a lecture by Prof Ganesh Kumar, Faculty and Dean (Academics), IIM Indore, on "Indian Economy: Where does it stand today". With the help of various examples, Ganesh simplified the complex statistics of Indian economy and explained the transitions it has been through, and how economic reforms and policies affect the economy and the citizens.

The next guest talk of the programme was delivered by eminent journalist and writer Paranjoy Guha Thakurta. In his thought provoking address on the subject "Moral Values and Code of Ethics in the Functioning of Journalists", Thakurta highlighted the importance of ethical journalism and observed that unethical journalism should be and can be avoided if one is clear with his goals of pursuing journalism. He noted the long term and short negative impacts of practicing unethical journalism and emphasized on the importance of maintaining the credibility of the news covered by journalists.

The final guest talk of the day was delivered by Prof Deepti Ganapathy, Visiting Faculty, IIM Indore, on "How to Communicate Effectively". Professor Deepti's lecture covered the major do's and don'ts that every journalist must follow to communicate effectively. With the help of classroom exercises and discussions, she explained how a journalist can practise journalism more effectively and excel in his/her profession.

The programme concluded with the vote of thanks extended by Dr Akhtar Parvez and certificate distribution amongst the participants.

IIM Indore director Prof Rishikesha T Krishnan addressing the inaugural session of General Management Programme on Friday.

A group photograph of participants of GMP with speakers.

Free Press, January 17, 2015, page - 14

'Media can play pivotal role to usher in desired change'

TIMES NEWS NETWORK

Indore: The Indian Institute of Management, Indore (IIM-I) organized one-day general management programme for media persons on Friday. The programme covered various topics including challenges for Indian economy, where does economy stand at present and communication tips.

The programme commenced with lamplighting ceremony. Welcoming the participants, director of the institute, Prof Rishikesha T. Krishnan gave A lecture on business, government, society and media. He said that quality education, health care, environmental threat and energy resources are the biggest challenges faced by India.

He added that media can play an important role in bringing about the desired changes. He cited various theories and examples to explain the possible impact of media in creating awareness on such issues.

TOI

General management programme for journalists underway at IIM-Indore on Friday

A guest talk was delivered by eminent journalist and writer Paranjoy Guha Thakurta. Speaking on moral values and code of ethics in the functioning of journalists, Thakurta explained the importance of ethical journalism and said that unethical journalism should be and can be avoided if one is clear with his goals of pursuing journalism.

The Times of India, January 17, 2015, Page - 03

गुफ्तगू

आईआईएम इंदौर पत्रकारों के लिए सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम का आयोजन

बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है मीडिया

पीपुल्स संवाददाता • इंदौर
news.indore@peoplessamachar.co.in

हमने मीडिया में कार्यरत व्यक्तियों की जरूरत को ध्यान में रखते हुए यह कार्यक्रम तैयार किया था। उम्मीद है कि आप सभी के लिए यह उपयोगी साबित होगा। यह कहना था प्रो. ऋषिकेश टी. कृष्णन् निदेशक आईआईएम का। शुक्रवार को वे आईआईएम इंदौर द्वारा पत्रकारों के लिए आयोजित किए गए सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

आयोजन में विभिन्न मीडिया संस्थानों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर संस्थान की ओर से प्रो. गणेश कुमार और प्रो. दीप्ति गणपति ने विषय विशेष पर व्याख्यान दिए। विशेष रूप से इस अवसर पर पत्रकार और लेखक परंजॉय गुहा ठाकुरता भी मौजूद थे। प्रो. कृष्णन् ने व्यापार, सरकार, समाज और मीडिया पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में हिंदुस्तान को शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, पर्यावरण और गैर नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों के मामले में अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। जरूरत है कि इनके हल सारगर्भित मंथन के माध्यम से निकाले जाएं। कारण कि आज के दौर में मीडिया वांछित परिवर्तन लाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

भारतीय अर्थव्यवस्था कहां पर है

प्रोफेसर गणेश कुमार, संकाय और डीन (अकादमिक), आईआईएम इंदौर ने 'भारतीय अर्थव्यवस्था : कहां खड़ी है' विषय पर विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था के जटिल आंकड़े भी नागरिकों को प्रभावित करते हैं। सरलीकृत माध्यम से उनको यह बताने की जरूरत है कि थोड़े बदलाव से भी आर्थिक सुधारों और नीतियों की बात की जा सकती है।

नैतिक और अनैतिक हम पर निर्भर

पत्रकार और लेखक परंजॉय गुहा ठाकुरता ने कहा कि पत्रकारों के कामकाज में नैतिक मूल्यों का खासा महत्व है। बाजारवाद के दौर में यह थोड़ा कम जरूर हो गया है, फिर भी महत्व तो है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता में जरूरी है कि आपका दृष्टकोण स्पष्ट हो। नैतिक पत्रकारिता करना हो या अनैतिक पत्रकारिता, दोनों ही मामलों में व्यक्ति विशेष की सोच पर ही निर्भर है। इस मामले में किसी एक के विचार से कुछ नहीं बदलना है। गुहा ने कहा कि खोजी पत्रकारिता में समय लगता है, मगर एक बार विश्वसनीयता प्राप्त हो जाने के बाद लोग आप पर भरोसा भी करते हैं।

संवाद का महत्व तो जीवन में

प्रभावी ढंग से संवाद करने पर प्रोफेसर दीप्ति गणपति, विजिटिंग फैकल्टी, आईआईएम इंदौर ने अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि पत्रकार के लिए संवाद तो महत्वपूर्ण है, मगर आमजन के लिए भी इसका महत्व कम नहीं है। संवाद की बेहतरी होने के साथ ही पत्रकारिता का अभ्यास और पेशे में उत्कृष्टता प्राप्त की जा सकती है। संचालन डॉ. अख्तर परवेज ने किया।

Peoples Samachar, Jaunary 17, 2015, Page - 04

गोल सेट करके करें हर काम

plus रिपोर्टर
indoreplus@patrika.com

इंदौर लाइफ में अगर गोल क्लीअर हो तो कोई भी काम मुश्किल नहीं है। यही बात जर्नलिज्म में भी लागू होती है। अनइथिकल जर्नलिज्म ना हो, इसके लिए जर्नलिज्म में प्रोफेशनल्स को अपना गोल सेट करना चाहिए। इससे वे इथिकल जर्नलिज्म की तरफ अग्रसर होंगे। यह कहना है एमिनेंट जर्नलिस्ट और राइटर परनजॉय गुहा ठाकुर्ता का। वे शुक्रवार को इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, इंदौर में हुए जनरल मैनेजमेंट प्रोग्राम में बोल रहे थे। यह प्रोग्राम स्पेशली जर्नलिस्ट के लिए था। उन्होंने कहा, अनइथिकल जर्नलिज्म से शॉर्ट टर्म गेन हो सकता है, लेकिन इसके लॉन्ग टर्म नेगेटिव इफैक्ट्स होते है। आईआईएम, इंदौर के डायरेक्टर ऋषिकेशा टी. कृष्णन ने बताया, एजुकेशन, हेल्थ केयर और नॉन रेनेवेबल एनर्जी रिसोर्सेस सेक्टर में इंडिया को वर्क करना है। यह इंडिया के सामने चैलेंजेस है। ऐसे में मीडिया की भूमिक महत्तवपूर्ण है, जिससे लोगों में अवेयरनेस क्रिएट की जा सकती है।

इफैक्टिव कम्युनिकेशन स्किल्स जरूरी

डीन अकेडमिक्स प्रो. गणेश कुमार ने कहा, इकोनॉमिक रिफॉर्म और पॉलीसी इकोनॉमी और सिटीजन पर प्रभाव डालती है। प्रो. दीप्ती गणपथी ने बताया, जर्नलिस्ट इफैक्टिव कम्युनिकेशन स्किल्स से खुद को इम्प्रूव कर सकते है। इससे वे अपने प्रोफेशनल मतलब जर्नलिज्म में बेहतर परफॉर्म कर सकेंगे। आभार डॉ. अख्तर परवेज ने माना।

Patrika, January 17, 2015, Page - 15

मीडिया एथिक्स व कम्यूनिकेशन स्किल्स पर चर्चा

इंदौर। आईआईएम द्वारा शुक्रवार को पत्रकारों के लिए जनरल मैनेजमेंट प्रोग्राम आयोजित किया गया। प्रोग्राम में आईआईएम के डायरेक्टर प्रो. ऋषिकेश टी.कृष्णन ने कहा कि वर्तमान समय में हिंदुस्तान को एजुकेशन, हेल्थ केयर, पर्यावरण और गैर नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों के मामले में अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। जरूरत है कि इनके हल सारगर्भित मंथन के माध्यम से निकाले जाएं। आयोजन में विभिन्न मीडिया संस्थानों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इस प्रोग्राम में देश की अर्थव्यवस्था, मीडिया एथिक्स और कम्यूनिकेशन स्किल्स पर भी चर्चा की गई। आईआईएम इंदौर के डीन एकेडेमिक्स प्रो. गणेश कुमार ने 'भारतीय अर्थव्यवस्था : कहां खड़ी है' विषय पर विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था के जटिल आंकड़े भी नागरिकों को प्रभावित करते हैं। लेखक परंजॉय गुहा ठाकुरता ने कहा कि नैतिक पत्रकारिता करना हो या अनैतिक पत्रकारिता, दोनों ही मामलों में व्यक्ति विशेष की सोच पर ही सबकुछ निर्भर है। इस मामले में किसी एक के विचार से कुछ नहीं बदलना है। आईआईएम की विजिटिंग फैकल्टी प्रो. दीप्ति गणपति ने भी विचार रखे। संचालन डॉ. अख्तर परवेज ने किया।

Nai Dunia, January 17, 2015, Page - 18

मीडिया जनरल मैनेजमेंट प्रोग्राम आज

इंदौर। आईआईएम इंदौर में शुक्रवार को मीडिया से जुड़े प्रोफेशनल्स के लिए एक दिनी जनरल मैनेजमेंट प्रोग्राम करवाया जा रहा है। सुबह 9 से लेकर शाम 5 बजे तक चलने वाले इस प्रोग्राम में आईआईएम के प्रोफेसर्स मीडियाकर्मियों को मैनेजमेंट से जुड़े फंडे सिखाएंगे। आईआईएम के डायरेक्टर डॉ. ऋषिकेश टी. कृष्णन 'बिजनेस, गवर्नमेंट, सोसायटी एंड द मीडिया' विषय पर उद्‌बोधन देंगे। प्रो. गणेश कुमार 'इंडियन इकोनॉमी: वेयर डज इट स्टैंड टुडे' विषय पर चर्चा करेंगे। परंजॉय गुहा 'मॉरल वैल्यूज एंड कोड ऑफ एथिक्स इन फंक्शनिंग ऑफ जर्नलिज्म' तथा प्रो. दीप्ति गणपति इफेक्टिव कम्यूनिकेशन के तरीकों पर बात करेंगी।

Nai Dunia, January 16, 2015, Page-18
(City Live)